नगर विकास व आवास मंत्री प्रेम कुमार ने दिखायी हरी झंडी 5 सीवर सक्शन मशीन को |

सपोर्ट प्रोग्राम फार अरबन रिफार्म इन बिहार के सीनियर इन्वारमेन्ट एंड पब्लिक हेल्थ इंजीनियर सतीश चंद्र अग्रवाल ने सीवर सक्शन मशीन की उपयोगिता के बारे में बताया कि यदि सीवरेज जाम है और उसमें कीचड़ ने ठोस आकार ले लिया है तो सीवर सक्शन मशीन की यह विशेषता है कि कीचड़ को पानी में मिक्स करके उसे खींच लेती है और सीवरेज को साफ कर देती है। कोसी बाढ़ प्रभावित शहरों को उपलब्ध करायी गई मशीनें जयपुर से मंगाई है। कोसी को पांच सीवर सक्शन मशीनें पटना, हमारे संवाददाता : राज्य सरकार की पहल पर ब्रिटिश सरकार के अंतरराष्ट्रीय विकास विभाग (डीएफआईडी) द्वारा सम्पोषित सपोर्ट प्रोग्राम फार अरबन रिफार्म इन बिहार के तहत 2.5 मिलियन पाउंड (करीब 20 करोड़ रुपये) की अतिरिक्त अनुदान राशि कोसी बाढ़ प्रभावित नगरों के पुनर्वास हेतु उपलब्ध करायी गई है। इनमें से 5.46 करोड़ रुपये उपकरण पर खर्च हुए हैं। शेष राशि से संबंधित शहर मधेपुरा, सुपौल, फारबिसगंज, मुरलीगंज एवं वीरपुर में सिविल वर्क कराया जा रहा है। नगर विकास एवं आवास मंत्री प्रेम कुमार ने मंगलवार को पत्रकारों को इन बातों की जानकारी दी। इससे पहले उन्होंने सूचना भवन कैंपस से पांच सीवर सक्शन मशीनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर विभाग के प्रधान सचिव शशिशेखर शर्मा समेत अन्य पदाधिकारी भी मौजूद थे। मंत्री ने बताया कि बाढ़ प्रभावित शहरों के पुनर्वास हेतु युद्धस्तर पर प्रयास जारी है, जिससे प्रभावित क्षेत्रों के नागरिकों को सभी मूलभूत बुनियादी सुविधाओं का सीधा लाभ प्राप्त हो सके। संबंधित नगर निकायों को ट्रैक्टर ट्राली, वाटर टैंकर, डीजल जनरेटर और कम्प्यूटर खरीदने के लिए तथा सभी उपकरणों के रखरखाव हेतु पूरे एक साल की धनराशि उपलब्ध करा दी गयी है। उन्होंने बताया कि शहरी विकास योजना (सिटी डेवलपमेंट प्लान) बन चुकी है। इस योजना में 28 शहरों को शामिल किया गया है।